भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 19 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: i) उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर राजस्थान के आसपास के क्षेत्रों में दबाव के प्रभाव के कारण, आज दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में भारी से बहुत भारी वर्षा और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा तथा उत्तरी गुजरात में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

ii) अगले 6-7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि 19 और 20 जुलाई को केरल और तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

आज दिनांक 19 जुलाई, 2025 को 0830 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:

- राजस्थान में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- तटीय कर्नाटक, कोंकण, गुजरात क्षेत्र, पश्चिम मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; मध्य महाराष्ट्र, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, तेलंगाना, रायलसीमा, तमिलनाडु, आंतरिक कर्नाटक और केरल में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुलग्नक I देखें।

i. मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

मौसम प्रणालियाँ:

- मानसून की द्रोणिका सक्रिय है और समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के निकट चल रही है।
- उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश पर कल का अवदाब पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है और आज, 19 जुलाई, 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार, उत्तर-पूर्व राजस्थान के उत्तर-पश्चिम और उससे सटे क्षेत्रों, सीकर से 50 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और चुरू से 90 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम में केंद्रित हो गया है। इसके उत्तर-पश्चिम राजस्थान से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर होकर एक सुस्पष्ट निम्न-दाब क्षेत्र में बदलने की संभावना है।
- एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका निचले क्षोभमंडल स्तरों में उत्तर बिहार के मध्य भागों से झारखंड होते हुए ओडिशा तक जाती है।
- एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका मध्य क्षोभमंडल स्तरों में दक्षिण कर्नाटक से दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश तक जाती है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तर पर एक गर्त के रूप में एक नया पश्चिमी विक्षोभ लगभग अक्षांश 32°N के उत्तर में देशांतर 70°E के साथ-साथ चल रहा है।
- 24 जुलाई, 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है।

उत्तर पश्चिम भारत:

- 19 जुलाई को दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 20-24 तारीख के दौरान जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में; 20 और 21 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 20-22 और 24 तारीख के दौरान पंजाब, हरियाणा; 19 जुलाई को दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 20-22 तारीख के दौरान उत्तराखंड में; 21 तारीख को पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और 21 और 22 तारीख को हिमाचल प्रदेश और 22 जुलाई को जम्मू और कश्मीर में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कुछ/कई स्थानों पर गरज के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 19 से 25 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 19 जुलाई को उत्तरी गुजरात में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है और 20 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 19 और 20 जुलाई को केरल और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 19-25 जुलाई के दौरान केरल और माहे, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 19-22 जुलाई के दौरान तमिलनाडु; 21 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 19-25 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना में; 19 और 20 जुलाई को लक्षद्वीप और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में अलग-अलग से छिटपुट वर्षा।है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 23 से 25 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है; 19 से 25 जुलाई के दौरान ओडिशा, छत्तीसगढ़; 21 से 25 जुलाई के दौरान विदर्भ; 20 और 21 जुलाई को बिहार; 19 से 22 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 19 और 20 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बहुत भारी वर्षा; 24 को गंगीय पश्चिम बंगाल और 23 से 25 जुलाई के दौरान ओडिशा में भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज और बिजली के साथ बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की/मध्यम वर्षा जारी रहने की संभावना है।
- 19-21 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा में तथा 24 और 25 जुलाई को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 19 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 19 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:

अरब सागर:

- 23 जुलाई तक गुजरात तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्र; 19 से 23 जुलाई तक केरल, कर्नाटक तटों, लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्रों के ऊपर; 19 से 24 जुलाई तक सोमालिया तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्रों, दक्षिण ओमान और उससे सटे यमन तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्रों; 18 से 20 जुलाई तक मध्य अरब सागर के अधिकांश भाग, 19 से 24 जुलाई तक मध्य अरब सागर के अधिकांश भाग और उससे सटे, दक्षिण अरब सागर के उत्तरी भाग में न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी:

- 19 से 24 जुलाई तक तमिलनाडु तट के साथ-साथ; 21 से 24 जुलाई तक आंध्र प्रदेश तट। 19 और 24 जुलाई के दौरान बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी भाग; 20 जुलाई तक बंगाल की खाड़ी के मध्य के दक्षिणी भाग और 21 से 24 जुलाई तक बंगाल की खाड़ी के मध्य के अधिकांश भाग; 19 से 23 जुलाई तक मन्नार की खाड़ी के ऊपर; 19 से 24 जुलाई तक अंडमान सागर के ऊपर के क्षेत्रों में जाने से बचें ।

ii. 19 से 22 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **पूर्वी राजस्थान:** नैनवा (जिला बूंदी) 23; मांगलियावास एसआर (जिला अजमेर), नसीराबाद (जिला अजमेर) 18 प्रत्येक; प्रतापगढ़ (जिला प्रतापगढ़) 16; पिसागन एसआर (जिला अजमेर) 15; किशनगढ़ (जिला अजमेर), सरमथुरा एसआर (जिला धौलपुर), अजमेर (जिला अजमेर) 14 प्रत्येक; पुष्कर एसआर (जिला अजमेर), सरवर (जिला अजमेर) 13 प्रत्येक; देवगढ़ (जिला राजसमंद), अजमेर तहसील एसआर (जिला अजमेर) 12 प्रत्येक; नगरफोर्ट एसआर (जिला टोंक), मसूदा एसआर (जिला अजमेर), जिओला एसआर (जिला अजमेर), इंदरगढ़ एसआर (जिला बूंदी) 11 प्रत्येक; लालसोट (जिला दौसा), भिनाय एसआर (जिला अजमेर), अराई एसआर (जिला अजमेर), केकड़ी एसआर (जिला अजमेर), मलेरैनाडूंगर एसआर (जिला सवाई माधोपुर) 10 प्रत्येक; टोंक वनस्थली (जिला टोंक), टाटगढ़ एसआर (जिला अजमेर), कुंभलगढ़ एसआर (जिला राजसमंद), गेगल एसआर (जिला अजमेर), खंडार एसआर (जिला सवाई माधोपुर), पीपल्दा एसआर (जिला कोटा), बामनवास एसआर (जिला सवाई माधोपुर) 9 प्रत्येक;
- **पश्चिमी राजस्थान**: मेड़ता सिटी (जिला नागौर) 23; रायपुर एसआर (जिला पाली) 14; खिवेंसर एसआर (जिला नागौर) 13; डेगाना (जिला नागौर) 11; भोपालगढ़ एसआर (जिला जोधपुर) 10; बिलाड़ा (जिला जोधपुर), सोजत (जिला पाली), मारवाड़ जंक्शन (जिला पाली), लूनी एसआर (जिला जोधपुर) 9 प्रत्येक; पाली (जिला पाली) 8; शेरगढ़ (जिला जोधपुर), जोधपुर तहसील एसआर (जिला जोधपुर), पचपदरा (जिला बाड़मेर), जैतारण (जिला पाली), रोहट एसआर (जिला पाली) 7 प्रत्येक;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल**: बक्साद्वार (जिला अलीपुरद्वार) 19; चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी), डायना टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 16 प्रत्येक; फागु टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 15; पलाशबाड़ी चाय बागान (जिला जलपाईगुड़ी) 14; बनारहाट हाई स्कूल (जिला जलपाईगुड़ी), चलौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), करबल्ला टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 11 प्रत्येक; गांद्रपारा चाय बागान (जिला जलपाईगुड़ी) 10; इंडोंग टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), ज़ुर्राती टी.ई (जिला जलपाईगुड़ी) 9 प्रत्येक; भगतपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), घीश (जिला जलपाईगुड़ी), ट्रा नागराकाटा (जिला जलपाईगुड़ी), वाशाबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), नागरकाटा (जिला जलपाईगुड़ी), तोरसा टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 8 प्रत्येक; चेल (जिला जलपाईगुड़ी), कुर्ती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), मयनागुड़ी कॉलेज (जिला जलपाईगुड़ी), बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 7 प्रत्येक;
- **कोंकण और गोवा:** मालवन (जिला सिंधुदुर्ग) 14; संगुएम (जिला दक्षिण गोवा) 9;
- **तटीय कर्नाटक**: शिराली पीटीओ (जिला उत्तर कन्नड़) 12; कुमता (जिला उत्तर कन्नड़) 11; मानकी (जिला उत्तर कन्नड़), गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 10 प्रत्येक; मंगलुरु एपी (जिला दक्षिण कन्नड़), शक्ति नगर (जिला दक्षिण कन्नड़), होनावर (जिला उत्तर कन्नड़) 8 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र:** दांता (जिला बनासकांठा) 12; पालनपुर (जिला बनासकांठा) 9;
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: बैराड़ (जिला शिवपुरी) 11; करहल (जिला श्योपुर) 10; बडोदा (जिला श्योपुर) 9; नरवर (जिला शिवपुरी), कुम्भराज (जिला गुना) 8 प्रत्येक; मंदसौर-एडब्ल्यूएस (जिला मंदसौर), अलीपुर (जौरा) (जिला मुरैना), जावद (जिला नीमच), वीरपुर (जिला श्योपुर) 7 प्रत्येक;
- **अरुणाचल प्रदेश:** ओयान एआरजी (जिला पूर्वी सियांग) 11; मियाओ (जिला चांगलांग) 8;
- **मध्य महाराष्ट्र**: गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 11;
- **तेलंगाना**: नवाबपेट (जिला विकाराबाद), चेवेल्ला (जिला रंगारेड्डी), हुस्नाबाद (एआरजी) (जिला सिद्दीपेट), यादगिरिगुट्टा (जिला वाई. भुवनगिरी) 10 प्रत्येक; नांगनूर (जिला सिद्दीपेट), यादगिरिगुट्टा (एआरजी) (जिला वाई. भुवनगिरि) 9 प्रत्येक; मेडक (जिला मेडक), हिमायतनगर (जिला हैदराबाद), रामायमपेट (जिला मेडक) 8 प्रत्येक; शेकपेट (जिला हैदराबाद) 7;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: चिंचोली (जिला कलबुर्गी), कुर्दी (जिला रायचूर), गडग पीबीओ (जिला गडग) 8 प्रत्येक; विजयपुरा पीटीओ (जिला विजयपुरा) 7;
- **केरल**: कोल्लम रेलवे (जिला कोल्लम), चावरा एडब्ल्यूएस (जिला कोल्लम) 8 प्रत्येक; थोडुपुझा (जिला इडुक्की), उडुंबन्नूर एडब्ल्यूएस (जिला इडुक्की) 7 प्रत्येक;
- **बिहार**: बीरपुर (जिला सुपौल) 7;
- **रायलसीमा**: रोयाचोटी (जिला अन्नामय्या जिला) 7;
- **तमिलनाडु**: तिरुवल्लुर (जिला तिरुवल्लूर), अराकोणम (जिला रानीपेट) 7 प्रत्येक;
- **ओडिशा**: बरगढ़ (जिला बरगढ़) 7;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: राजनगर (जिला बीरभूम) 7.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	19- Jul	20- Jul	21- Jul	22- Jul	23- Jul	24- Jul	25- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WS
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	SCT	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	WS	WS	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	SCT	WS	WS	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	WS	WS	WS	WS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

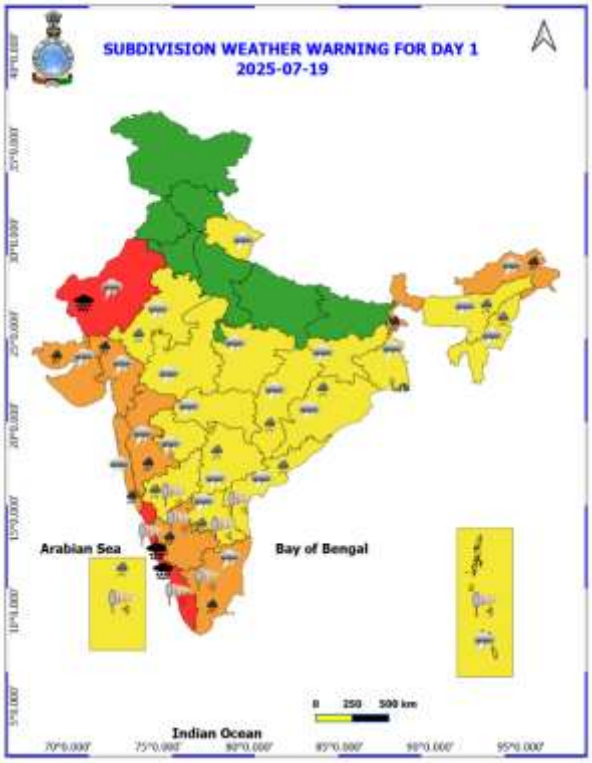
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

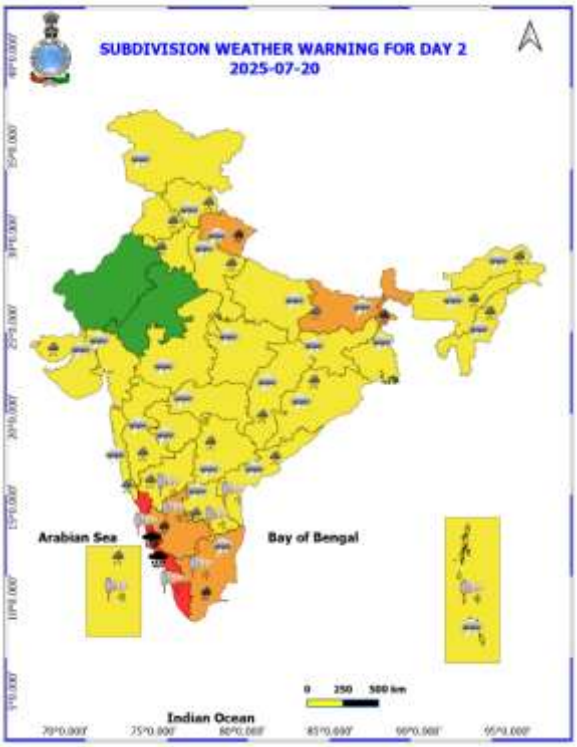
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

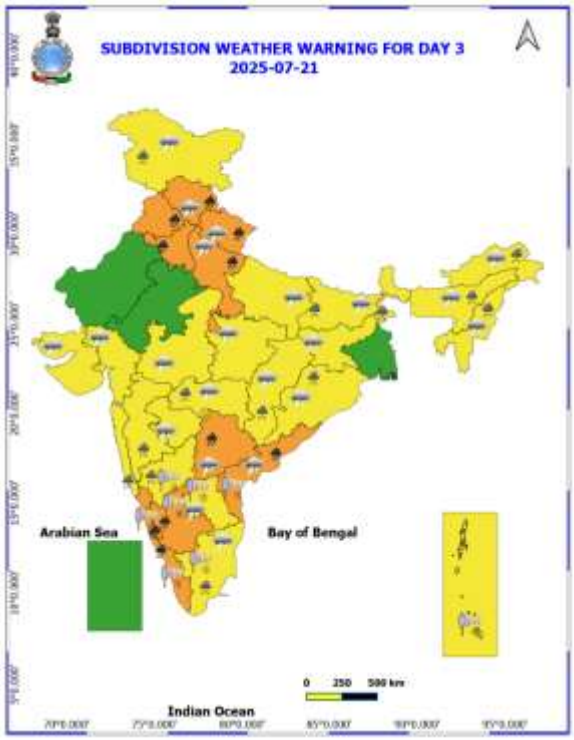
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

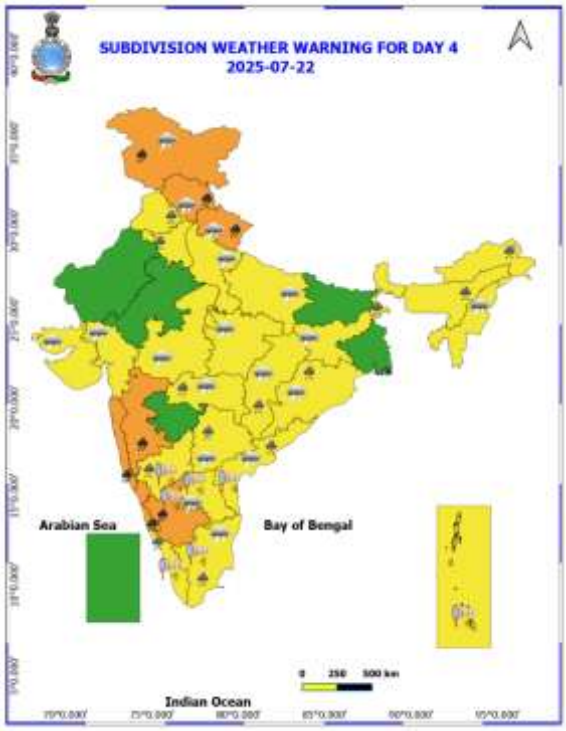

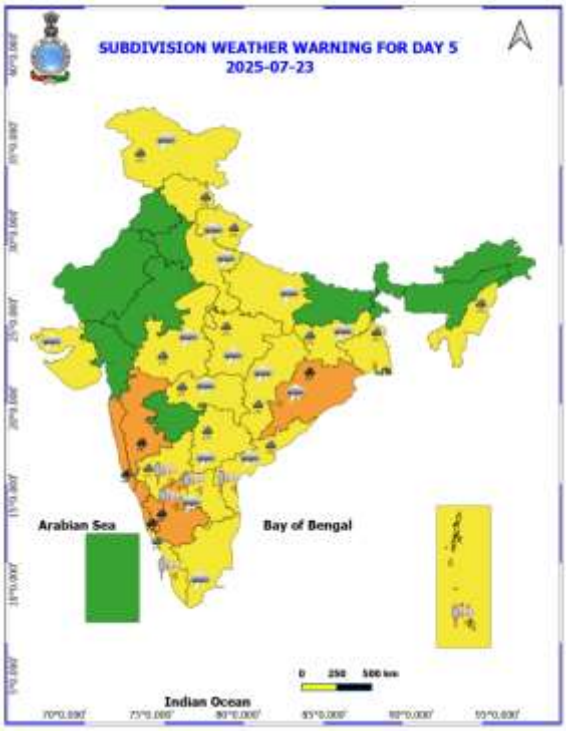

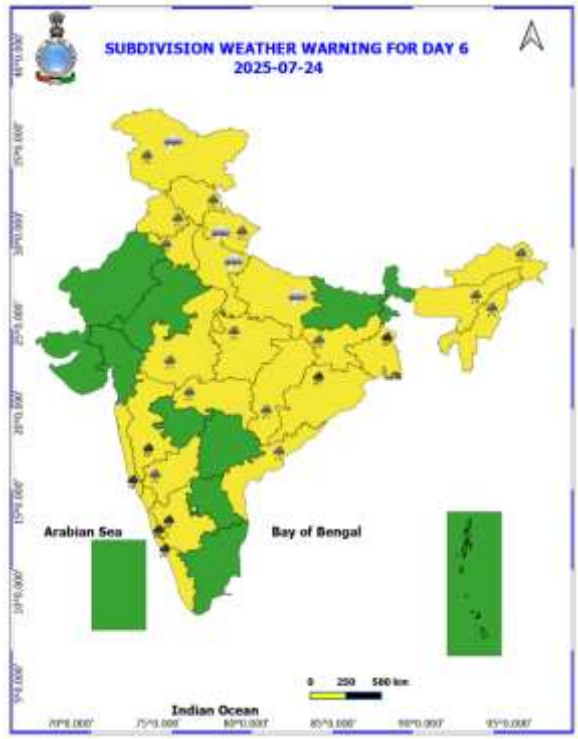

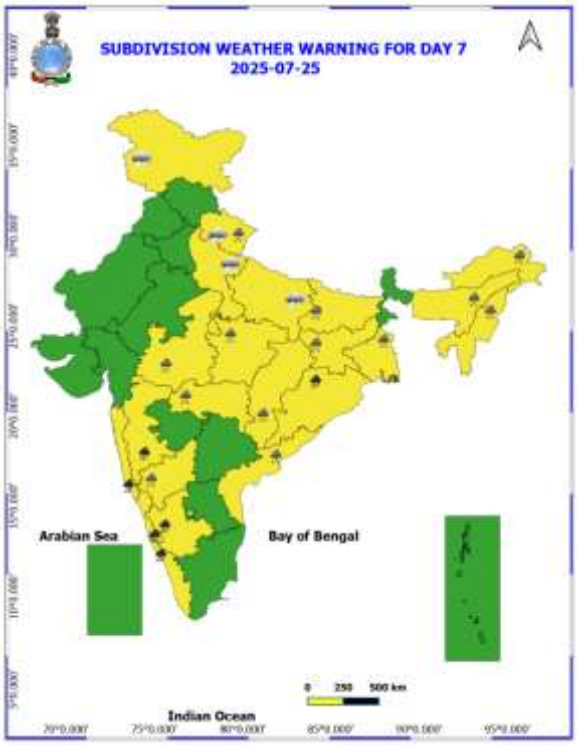

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 19 से 22 जुलाई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

दिल्ली/एनसीआर में पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। सामान्य रूप से बादल छाए रहे और प्रमुख सतही हवाएं उत्तर-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की गति से चलीं, जिनमें कभी-कभी 35 किमी/घंटा तक की तेज़ झोंकेदार हवाएं भी चलीं। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश दर्ज की गई। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा से कम गति से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

19.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना। कभी-कभी सतही हवाएं 20 से 30 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। अधिकतम तापमान दिल्ली में 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य के करीब रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा से कम की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर 10-15 किमी/घंटा हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पश्चिम रहेगी।

20.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की बारिश की संभावना। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 से 37 डिग्री सेल्सियस और 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री ऊपर रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा से कम गति से चलेंगी। दोपहर में हवाओं की गति बढ़कर 16 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा पश्चिम दिशा की होगी। शाम और रात में गति घटकर 12 किमी/घंटा से कम रहेगी।

21.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री नीचे रहेगा। सुबह के समय हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 25 किमी/घंटा से कम की गति से चलेंगी। दोपहर में गति घटकर 15 किमी/घंटा से कम और दिशा दक्षिण होगी। शाम और रात में गति बढ़कर 18 किमी/घंटा से कम और दिशा फिर से दक्षिण-पश्चिम होगी।

22.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री नीचे रहेगा। सुबह में हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम गति से चलेंगी। दोपहर में गति बढ़कर 15 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा पश्चिम होगी। शाम और रात में हवा की गति फिर घटकर 10 किमी/घंटा से कम रह जाएगी और दिशा पश्चिम दिशा की होगी।

हल्की बारिश और गरज/बिजली गिरने के संभावित प्रभाव एवं सुझाए गए एहतियात:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 19 तारीख को दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में; 19 और 20 जुलाई को केरल और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 19 से 25 जुलाई के दौरान केरल और माहे, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 19 से 22 जुलाई के दौरान तमिलनाडु; 20 से 22 जुलाई के दौरान उत्तराखंड; 21 तारीख को पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना; 21 और 22 को हिमाचल प्रदेश; 22 को जम्मू और कश्मीर; 19 और 20 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 24 को गंगीय पश्चिम बंगाल और 23-25 जुलाई के दौरान ओडिशा में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों (राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश) में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन/कीचड़/भूधंसाव।
- जलप्लावन के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी का वेब पेज देखें)

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जाँच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात परामर्श का पालन करें।
- ऐसे क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- कमजोर ढाँचे में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **राजस्थान** के, **शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र** में खरीफ फसलों की बुवाई स्थगित करें और पहले से बोई गई मूंग, तिल, मोठ, ग्वार और बाजरा की फसलों में जल निकासी की व्यवस्था करें। **उप-आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र** और **अरावली पर्वतीय क्षेत्र** में पहले से बोई गई गन्ना, केला, चावल, मक्का, कपास, सोयाबीन और मूंगफली के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में पहले से बोई गई ज्वार, मक्का, मूंग, ग्वार, लोबिया, मोठ और बाजरा की फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाएं रखें।
- **उत्तराखंड** में: **भाबर और तराई क्षेत्रों** में चावल के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। **पहाड़ी क्षेत्रों** में, उड़द की फसल के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में बाजरा, रागी, खीरा और चावल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, मक्का, रागी और सब्ज़ियों जैसी खड़ी फसलों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाएं रखें। ऊँची और फलीदार फसलों और खीरे की बेलों को सहारा प्रदान करें। मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र में, पके हुए टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च और फलों की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में, कटी हुई सोयाबीन की फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। भारी वर्षा के दौरान बाजरे की बुवाई/रोपाई और चावल की रोपाई स्थगित कर दें। पहले से बोई/रोपी गई रागी, सब्जियों, बागानों और रोपी गई धान की फसलों में जल निकासी बनाए रखें।

बाजरे की नर्सरी क्यारी को प्लास्टिक शीट या शेड नेट से, और पहले से बोए गए बीजों की सतह को पत्तियों जैसी प्राकृतिक गीली घास की हल्की परत से ढक दें।

- **मेघालय** में, चावल की नर्सरी क्यारियों के आसपास उचित जल निकासी नालियाँ बनाए रखें। मक्का, लोबिया, भिंडी, बैंगन और कद्दू की फसलों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित करें। केले के पौधे को गिरने से बचाने के लिए उसे सहारा दें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** के, **तराई क्षेत्र** में खरीफ चावल, जूट और सब्जियों की फसलों में उचित जल निकासी बनाए रखें। **पहाड़ी क्षेत्र** में चावल के खेतों, अदरक, सब्जियों और फलों के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **तमिलनाडु** के, **पश्चिमी क्षेत्र** में, चावल की नर्सरी और हाल ही में रोपे गए चावल के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें; **दक्षिणी क्षेत्र** में ज्वार, गन्ना, मक्का, चावल, केला और नारियल के खेतों में और **ऊँचाई वाले पहाड़ी क्षेत्र** में खड़ी फसलों में जल निकासी की व्यवस्था करें। **कावेरी डेल्टा क्षेत्र** में केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **केरल** में, केले के पौधों की सुरक्षा के लिए यांत्रिक सहायता प्रदान करें। **मध्य क्षेत्र** में, केले, नारियल और चावल के खेतों में; **दक्षिणी क्षेत्र** में, केले, नारियल, अदरक और सब्जियों के खेतों में और **उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्रों** में चावल की नर्सरी में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। **उत्तरी क्षेत्र** में, चावल की रोपाई के लिए बुवाई/ नर्सरी की तैयारी स्थगित करें।
- **कर्नाटक** के, **तटीय क्षेत्र** में, चावल की नर्सरी की बुवाई स्थगित करें और सुपारी के खेतों और केले के बागों में जल निकासी की व्यवस्था करें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, चावल की नर्सरी, मक्का, कपास, अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में, सुपारी और नारियल के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। चावल की नर्सरी और सब्जियों में युवा पौधों को प्लास्टिक शीट या कृषि छाया जाल जैसे आवरणों से ढक दें। चावल की रोपाई स्थगित करें। **दक्षिणी शुष्क क्षेत्र** में, मक्का, टमाटर और केले की फसल को सहारा प्रदान करें। विशेष रूप से चावल, सब्जियों और मसाला फसलों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **कोंकण** में, धान और रागी की नर्सरी, मूंगफली, सब्जियों और बागों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों** में, चावल और रागी की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान, मक्का, अरहर, छोटे अनाज और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। लंबी या कमजोर फसलों को गिरने या टूटने से बचाने के लिए खूंटियों या बांस से सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

20-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले। केरल और माहे - अलप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की, कन्नूर, कासरगोड, कोट्टयम, कोज़ीकोड, माहे, मलप्पुरम, पलक्कड़, पट्टानमिट्टा, त्रिशूर, तिरुवनंतपुरम और वायनाड जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	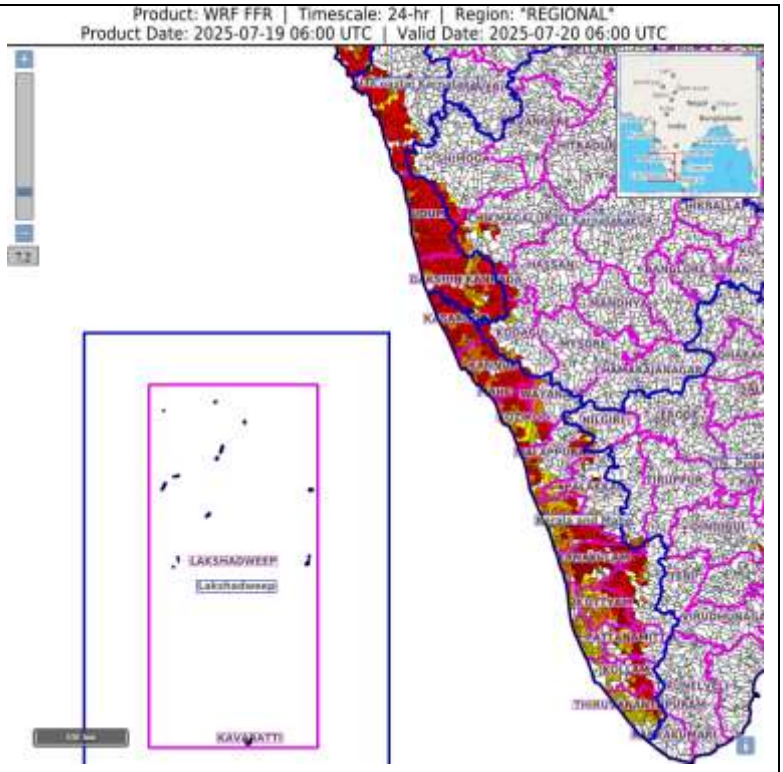
20-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विभाग उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान - सिरोही और राजसमंद जिले। पश्चिमी राजस्थान - बाड़मेर, पाली, नागौर, जोधपुर और जैसलमेर जिले। गुजरात क्षेत्र - बनासकांठा जिला, सौराष्ट्र और कच्छ - कच्छ जिला। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	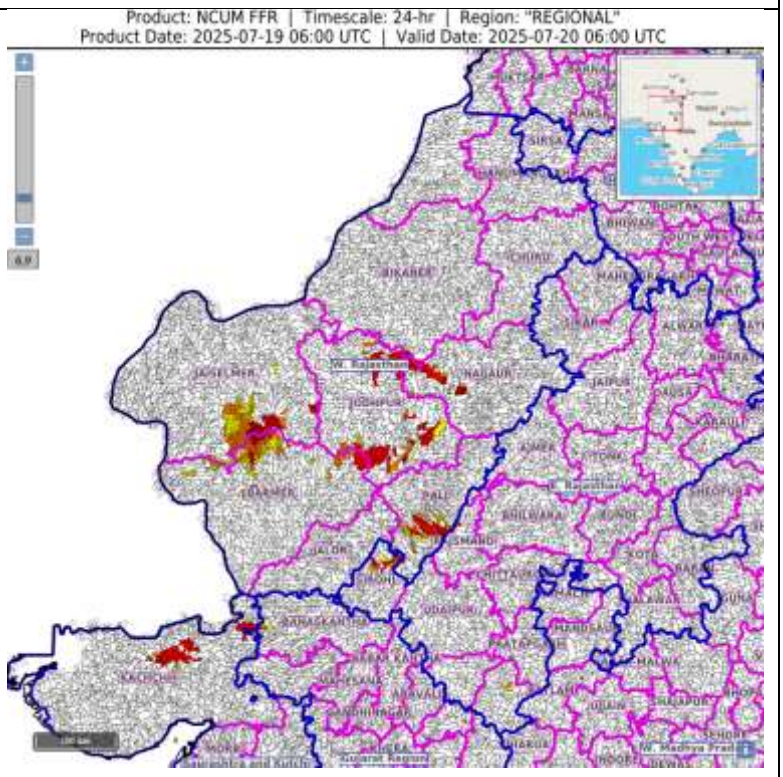

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

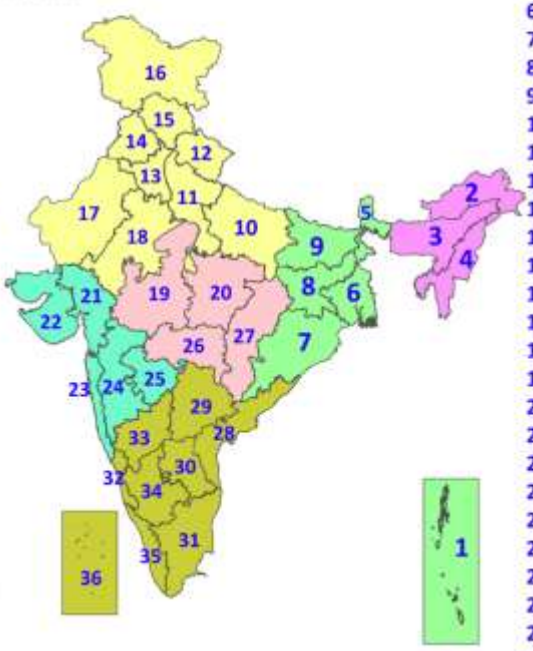

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)